Skill Development Programme

For Answer Writing

Economy (Model Answer)

DATE : 18 Sep, 2018 **TIME : 06:30 pm**

मुख्य परीक्षा

प्रश्न- निवेश मॉडल से आप क्या समझते हैं? हेराल्ड डोमर मॉडल का संक्षिप्त परिचय देते हुए भारत के संदर्भ में इसका महत्व बताइए। (250 शब्द, 15 अंक)

What do you understand by investment model? Briefly introducing Harrod-Domar Model, elucidate its importance in India. (250 Words, 15 Marks)

MODEL ANSWER

उत्तर- भूमिका में निम्न बातों को शामिल किया जा सकता है-

जब किसी अर्थव्यवस्था के विकास के लिए किसी आदर्श ढाँचा को अपनाया जाता है, तो उसे उस अर्थव्यवस्था का निवेश मॉडल कहा जाता है।

निवेश एक उत्पादक खर्च होता है, जो किसी अर्थव्यवस्था की समग्र माँग को बढ़ाकर देश के राष्ट्रीय उत्पाद तथा रोजगार को बढ़ाने का काम करता है और यही रोजगार माँग, बचत, निवेश तथा पुनः माँग को पैदा कर राष्ट्र की समृद्धि और विकास को बढ़ाती है। भारत ने अलग-अलग समय पर आवश्यकतानुसार मॉडल को अपनाया है, जिसमें से एक हेराल्ड डोमर मॉडल भी प्रमुख रहा है।

हेराल्ड डोमर मॉडल-

- यह एक निवेश आधारित अवधारणा है, जिसके द्वारा अर्थव्यवस्था में संवृद्धि बढ़ाने के कारकों एवं उपायों पर बल दिया जाता है।
- इसके द्वारा निवेश के आधार पर उत्पादन और माँग क्षमता बढ़ाने पर विशेष बल दिया जाता है।
- यह व्यवस्था चूंकि निवेश पर अधिक बल देती है, जिसके लिए बचत एक आवश्यक शर्त है।
- इस रूप में यह व्यवस्था अपने दोहरे चरित्र को प्रदर्शित करती है।
- यह व्यवस्था ग्रोथ रेट को प्राप्त करने के लिए निम्न सूत्र का प्रयोग करती है-

$$G = \frac{S}{Cr}$$

- इस अवधारणा के अनुसार अगर पूँजी लागत अनुपात ऊँचा है, तो उत्पादकता कम होगी।

भारत के संदर्भ में महत्त्व-

- स्वतंत्र भारत में औद्योगिक विकास के महत्त्व को समझते हुए प्रथम पंचवर्षीय योजना में इसे लागू किया गया।
- यह मॉडल बचत प्रधान होने के कारण इसने भारतीय सामाजिक व्यवस्था में बचत को प्रोत्साहन दिया, जो पहले से विद्यमान बचत की परम्परा को बल प्रदान करती है।
- यह पूँजी निवेश आधारित व्यवस्था है। अतः बचत, निवेश, माँग तथा रोजगार सृजन के साथ क्रय क्षमता को बढ़ाती है, जिसके वर्तमान समय में महत्त्वपूर्ण आवश्यकता के रूप में देखा गया।
- यह व्यवस्था निवेश के लिए बचत तथा पुनः निवेश पर बल देती है। अतएव यह वर्तमान औद्योगिक विकास की धुरी साबित हो सकती है। जैसा कि आर्थिक समीक्षा (वर्ष 2017-18) में भी कहा गया है।
- यद्यपि कि इस मॉडल की कुछ सीमाएँ रही है, परन्तु भारत में महत्त्वपूर्ण उद्योगों की स्थापना के द्वारा रोजगार सृजन तथा क्रय क्षमता बढ़ाने में इसकी महती भूमिका रही है, जिसकी आवश्यकता आज भी बनी हुई है।

अंत में संक्षिप्त व संतुलित निष्कर्ष दे।

* * *